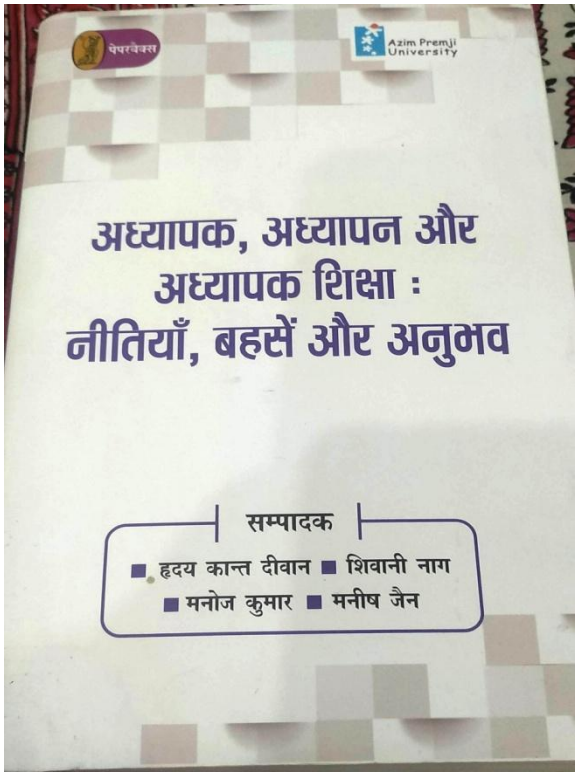

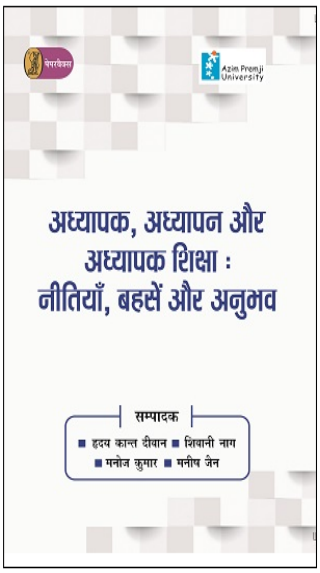

Adhyapak, Adhyapan Aur Adyapak Siksha Neetiyan, Bahasen Aur Anubhav

Format: Paper Back

ISBN: 978-93-8956-354-2

Author: Edited by Hirday Kant Dewan, Shivani Negi, Manoj Kumar and Manish Jain

Pages: 412

MRP : Rs. 399/-

Stock: In Stock

Email to a Friend | 0 review | Add Your Review

Rs. 399/-

Qty: 1

ADD TO CART

Title: **ADHYAPAK, ADHYAPAN AUR ADHYAPAK SHIKSHA : NITIYAN, BAHASEN A UR ANUBHAV**

Author: **HRIDAY KANT DEWAN & OTHER (Ed.)**

ISBN 13: **9789389563542**

ISBN 10: **9389563542**

Year: **2020**

Language: **HINDI**

Pages etc.: **411p**

Binding: **Paperback**

Subject(s): **Education**

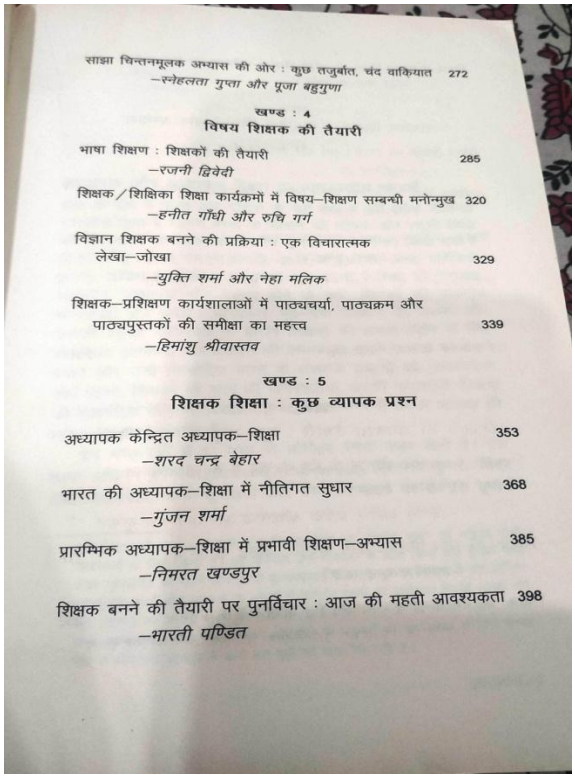

साझा चिन्तनमूलक अभ्यास की ओर : कुछ तजुर्बात, चंद वाकियात 272
–स्नेहलता गुप्ता और पूजा बहुगुणा

खण्ड : 4
विषय शिक्षक की तैयारी

भाषा शिक्षण : शिक्षकों की तैयारी 285
–रजनी द्विवेदी

शिक्षक/शिक्षिका शिक्षा कार्यक्रमों में विषय–शिक्षण सम्बन्धी मनोन्मुख 320
–हनीत गाँधी और रुचि गर्ग

विज्ञान शिक्षक बनने की प्रक्रिया : एक विचारात्मक लेखा–जोखा 329
–युक्ति शर्मा और नेहा मलिक

शिक्षक–प्रशिक्षण कार्यशालाओं में पाठ्यचर्या, पाठ्यक्रम और पाठ्यपुस्तकों की समीक्षा का महत्त्व 339
–हिमांशु श्रीवास्तव

खण्ड : 5
शिक्षक शिक्षा : कुछ व्यापक प्रश्न

अध्यापक केन्द्रित अध्यापक–शिक्षा 353
–शरद चन्द्र बेहार

भारत की अध्यापक–शिक्षा में नीतिगत सुधार 368
–गुंजन शर्मा

प्रारम्भिक अध्यापक–शिक्षा में प्रभावी शिक्षण–अभ्यास 385
–निमरत खण्डपुर

शिक्षक बनने की तैयारी पर पुनर्विचार : आज की महती आवश्यकता 398
–भारती पण्डित

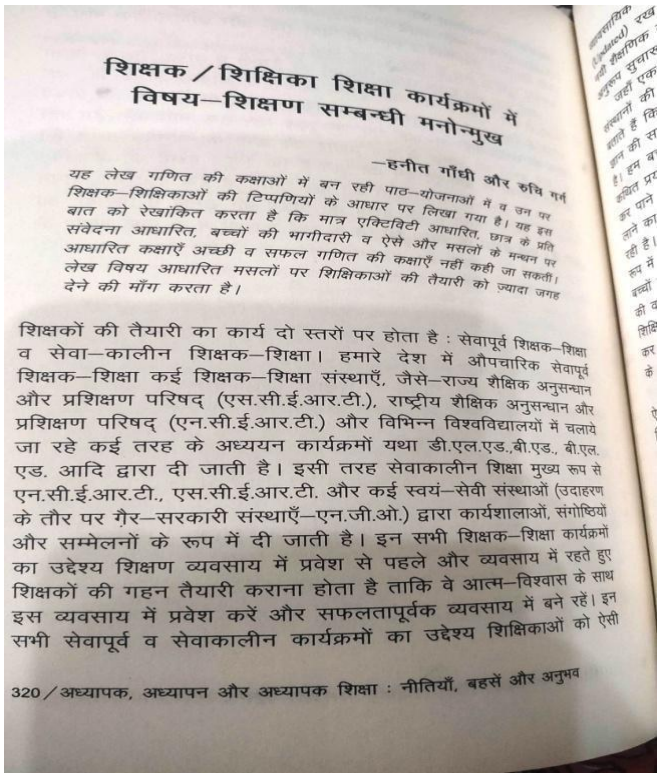

शिक्षक/शिक्षिका शिक्षा कार्यक्रमों में विषय–शिक्षण सम्बन्धी मनोन्मुख

–हनीत गाँधी और रुचि गर्ग

यह लेख गणित की कक्षाओं में बन रही पाठ–योजनाओं में व उन पर शिक्षक–शिक्षिकाओं की टिप्पणियों के आधार पर लिखा गया है। यह इस बात को रेखांकित करता है कि मात्र एक्टिविटी आधारित, छात्र के प्रति संवेदना आधारित, बच्चों की भागीदारी व ऐसे और मसलों के मन्थन पर आधारित कक्षाएँ अच्छी व सफल गणित की कक्षाएँ नहीं कही जा सकतीं। लेख विषय आधारित मसलों पर शिक्षिकाओं की तैयारी को ज़्यादा जगह देने की माँग करता है।

शिक्षकों की तैयारी का कार्य दो स्तरों पर होता है : सेवापूर्व शिक्षक–शिक्षा व सेवा–कालीन शिक्षक–शिक्षा। हमारे देश में औपचारिक सेवापूर्व शिक्षक–शिक्षा कई शिक्षक–शिक्षा संस्थाएँ, जैसे–राज्य शैक्षिक अनुसन्धान और प्रशिक्षण परिषद् (एस.सी.ई.आर.टी.), राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसन्धान और प्रशिक्षण परिषद् (एन.सी.ई.आर.टी.) और विभिन्न विश्वविद्यालयों में चलाये जा रहे कई तरह के अध्ययन कार्यक्रमों यथा डी.एल.एड.,बी.एड., बी.एल.एड. आदि द्वारा दी जाती है। इसी तरह सेवाकालीन शिक्षा मुख्य रूप से एन.सी.ई.आर.टी., एस.सी.ई.आर.टी. और कई स्वयं–सेवी संस्थाओं (उदाहरण के तौर पर ग़ैर–सरकारी संस्थाएँ–एन.जी.ओ.) द्वारा कार्यशालाओं, संगोष्ठियों और सम्मेलनों के रूप में दी जाती है। इन सभी शिक्षक–शिक्षा कार्यक्रमों का उद्देश्य शिक्षण व्यवसाय में प्रवेश से पहले और व्यवसाय में रहते हुए शिक्षकों की गहन तैयारी कराना होता है ताकि वे आत्म–विश्वास के साथ इस व्यवसाय में प्रवेश करें और सफलतापूर्वक व्यवसाय में बने रहें। इन सभी सेवापूर्व व सेवाकालीन कार्यक्रमों का उद्देश्य शिक्षिकाओं को ऐसी